मेट्रो मार्ग के निर्माण की रफ्तार तेज!

- 42 में 40 टनल तैयार, अगले साल पूरा होगा काम
- 1660 मीटर लंबी टनल का निर्माण अब भी बाकी
- अंतिम 2 टनलों की TBM बनाने में लगेंगे 90 दिन

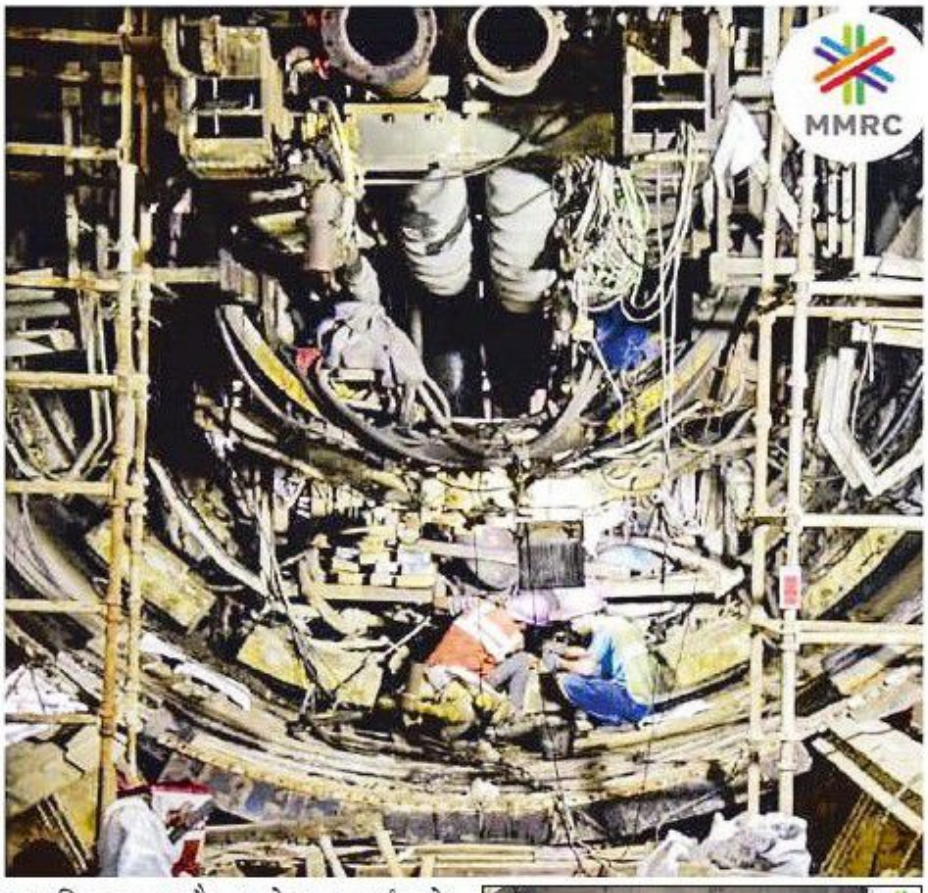

■ **वसं, मुंबई :** मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर का रास्ता लगभग साफ हो गए है। पूरे मार्ग पर 40 टनल तैयार करने के बाद अंतिम दो टनल तैयार करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई। महालक्ष्मी से मुंबई सेंट्रल के बीच मेट्रो-3 कॉरिडोर की अंतिम दो टनल का निर्माण होना है। टनल बोरिंग मशीन के माध्यम से अप और डाउन दिशा मिला कर कुल 1660 मीटर लंबी टनल का निर्माण होना है। जमीन से करीब 25 मीटर नीचे 1660 मीटर लंबी टनल को तैयार करने में करीब दो से ढाई महीने का समय लगेगा, जबकि टनल की खुदाई का काम आरंभ करने के लिए टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) तैयार करने में करीब 80 से 90 दिन का समय लगेगा।

पुर्जे जोड़ने में लगते हैं 45 दिन

कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच 33.5 किमी लंबे भूमिगत मार्ग का निर्माण विदेश से आई विशालकाय टीबीएम मशीन से हो रहा है। करीब 100 मीटर लंबे टीबीएम का कुल वजन 700 टन है। फ्रंट शील्ड, मिडल शील्ड और कटर समेत सैकड़ों छोटे-बडे पुर्जों को जोड़कर पूरी टीबीएम मशीन तैयार होती है। विशालकाय होने की वजह से टीबीएम को सभी उपकरणों के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर लेना संभव नहीं होता है। ऐसे में, टनल तैयार होने के बाद 100 मीटर लंबे टीबीएम को डिस्मेंटल कर दिया जाता है। इसके हर पार्ट को अलगकर दूसरी साइट पर पहुंचाया जाता है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के एक अधिकारी के मुताबिक टीबीएम के अलग-अलग सैकडों पुर्जों को जोडने में करीब 45 दिन का समय लगता है, वहीं इसको डिस्मेंटल करने में भी करीब इतना ही वक्त लगता है।

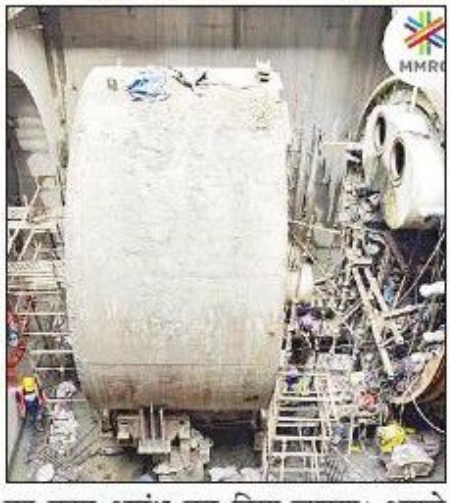

फरवरी में होगा टनलिंग का काम

एमएमआरसीएल के मुताबिक, साइंस म्यूजियम से महालक्ष्मी के बीच दो टीबीएम ने टनल तैयार करने का काम पूरा कर लिया है। अब इन टीबीएम को महालक्ष्मी से मुंबई सेंट्रल के बीच टनल तैयार करने के काम पर लगाया जाएगा। दोनों टीबीएम को डिस्मेंटल करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। फरवरी, 2022 यानि अगले साल के दूसरे महीने से अंतिम दो टनल की खुदाई का काम आरंभ कर दिया जाएगा। अगले साल के मध्य तक टनलिंग का काम पूरा कर लिया जाएगा। बता दें मेट्रो-3 कॉरिडोर का सिविल वर्क करीब 76 प्रतिशत तक पूरा किया का चुका है। स्टेशन निर्माण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। करीब 11 स्टेशन 85 प्रतिशत बन कर तैयार हो चुके हैं। करीब 11 किमी तक पटरी बिछाने का काम भी पूरा कर लिया गया है।